NJ-1005

B.A. (Part - I) Examination,
Mar.-Apr., 2023

HINDI LITERATURE

Paper - II

(हिन्दी कथा साहित्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 25

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Q. 1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) यह समझ लीजिए कि जिस देश में स्त्रियों की जितनी अधिक स्वाधीनता है, वह देश उतना ही सभ्य है। स्त्रियों को कैद में, परदे में या पुरुषों से कोसों दूर रखने का तात्पर्य यही निकलता है कि आपके यहाँ जनता इतनी आचार भ्रष्ट है कि स्त्रियों का अपमान करने में जरा भी संकोच नहीं करती। 7

KK Govt College Durgukondal

Scanned with CamScanner

अथवा

जिस समाज में रात दिन काम करने वालों की हालत उनकी हालत से कुछ बहुत अच्छी नहीं थी, और किसानों के मुकाबले वे लोग, जो किसानों की दुर्बलताओं से लाभ उठाना जानते थे, कहीं ज्यादा सम्पन्न थे, वहाँ उस तरह की मनोवृत्ति का पैदा हो जाना कोई अचरज की बात नहीं थी। हम तो कहेंगे, घीसू किसानों से कहीं ज्यादा विचारवान था और किसानों के विचारशून्य समूह में शामिल होने के बदले बैठकबाजों की कुत्सित मण्डली में जा मिला था।

(ख) एक कामयाब पार्टी वह है जिसमें ड्रिंक कामयाबी से चल जाय सामनाथ की पार्टी की सफलता के शिखर चूमने लगी। वार्तालाप उसी रौ में बह रहा था, जिस रौ में गिलास भरे जा रहे थे। कहीं कोई रुकावट नहीं थी,

कोई अड़चन न थी। साहब को ह्विस्की पसंद आई थी। मेम साहब को पर्दे पसंद आये थे, सोफा कवर का डिजाइन पसंद आया था, कमरे की सजावट पसंद आई थी। इससे बढ़कर क्या चाहिए? 7

अथवा

बस सिरचन की उंगलियों में सुतली के फन्दे पड़ गए। मानों कुछ देर तक वह चुपचाप बैठा पान को मुँह में घुलाता रहा। फिर अचानक पिछवाड़े पीक थूक गया। अपनी धूरी हँसिया बगैरह समेट-संभालकर झोले में रखे। टंगी हुई अधूरी चिक पर एक निगाह डाली और हनहनाता हुआ आंगन के बाहर निकल गया।

(ग) रात होने पर रख्खा रोज़ की तरह गली के बाहर बायीं तरफ की दुकान के तख्ते पर आ बैठा। रोज़ वह रास्ते से गुजरने वाले पारचित लोगों को आवाज दे-देकर पास

KK Govt College Durgukondal

Scanned with CamScanner

बुला लेता था और उन्हें सट्टे के गुर और सेहत के नुस्खे बताया करता था। मगर उस दिन वह वहाँ बैठा लच्छे को अपनी वैष्णव देवी की उस यात्रा का वर्णन सुनाता रहा जो उसने पन्द्रह साल पहले की थी। लच्छे को भेज कर वह गली में आया तो मलबे के पास लोकू पण्डित की भैंस को देखकर वह आदत के मुताबिक उसे धक्के दे-देकर हटाने लगा। 7

अथवा

वाहिद ने सैकड़ों बार कही बात एक बार फिर अपने अनमन ढंग से दोहरा दी। तभी दरवाजे के पास मुनीर साहब दिखाई दिए। इधर से ध्यान हटाकर वाहिद ने मुनीर साहब के चेहरे की तरफ अपनी आँखें जमा दी। पर लगातार कई मिनटों तक मुनीर साहब के चेहरे की तरफ देखने पर भी उसका ध्यान वाहिद की तरफ नहीं

लौटा और वह अपने किसी नौकर को हिदायतें देकर लौटने लगे, तो अपनी जगह आगे आ, पुकार कर वाहिद ने कहा, 'मुनीर साहब, आदाब अर्ज है।'

Q. 2. 'गबन' उपन्यास का मूल उद्देश्य क्या है? स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

'मलबे का मालिक' कहानी की समीक्षा कीजिए।

Q. 3. कहानी के तत्व के आधार पर 'चीफ की दावत' कहानी की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

'गदल' कहानी के आधार पर गदल का चरित्र-चित्रण कीजिए।

Q. 4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए : 15

(क) हिन्दी कथा साहित्य की विकास यात्रा।

(ख) कफन कहानी का उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(ग) उपेन्द्र नाथ अश्क के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

KK Govt College Durgukondal

Scanned with CamScanner

(घ) शिवानी के लेखन कला पर प्रकाश डालिए।

(ङ) बाल शौरी रेड्डी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

Q. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : **15**

(1) 'मलबे का मालिक' कहानी में किस घटना का वर्णन है ?

(2) रख्खे पहलवान किस कहानी का पात्र है ?

(3) 'परदा' कहानी के किसी एक पात्र का नाम लिखिए।

(4) उपन्यास के कितने तत्व होते हैं ?

(5) फणीश्वर नाथ रेणु किस तरह के उपन्यासकार के रूप में प्रसिद्ध हैं ?

(6) शिवानी के दो कहानी संकलन के नाम लिखिए।

(7) गदल के बेटे का नाम लिखिए।

(8) सिरचन किस कहानी का पात्र है ?

(9) प्रेमचन्द के किन्हीं दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

(10) वाहिद किस कहानी का पात्र है ?

(11) शामनाथ किस कहानी का पात्र है ?

(12) विभाजन की त्रासदी को आधार बनाकर कौन सी कहानी लिखी गयी ?

(13) प्रेमचन्द का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(14) जालपा को कौन-सा आभूषण प्रिय था ?

(15) शिवानी भारत के किस अंचल की निवासी है ?

(16) 'काले साहब' के लेखक का नाम लिखिए।

KK Govt College Durgukondal

Scanned with CamScanner

NJ-1004

B.A. (Part-I) Examination,

Mar.-Apr., 2023

HINDI LITERATURE

Paper - I

(प्राचीन हिन्दी काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 25

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। अशुद्ध एवं अनर्गल लेखन पर अंक काटे जाएंगे। एक प्रश्न के सभी खण्डों का उत्तर एक ही स्थान पर निरन्तरता बनाए हुए लिखिए। उत्तर की समाप्ति पर समाप्ति सूचक चिह्न का प्रयोग करें।

KK Govt College Durgakondal

Q. 1. निम्नलिखित पद्यांशों का सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **7×3**

(1) रामनाम कै पटंतरै, देवे को कुछ नाहिं।

क्या ले गुर संतोषिए, हौस रही मन माहि।।

Scanned with CamScanner

सतगुरु मिल्या त का भया, जे मन पाड़ी भोल।

पासि बिनंठा कप्पड़ा, क्या करे बिचारी चोल।।

अथवा

फागुन पवन झकोरा बहा। चौगुन सीक जाइ नहीं सहा।

तन जस पियर पात भा मोरा। बिरह न रहै पवन होई झोरा।।

तरिवर अरहिं भरहिं बन दाखा। भई ओनंत फूल फरि शाखा।

करिन्ह वनस्पति हिये कुलसू। मो कहँ भा जग दून उदासू।।

फागु करहिं सब चांचीर जोरी। मोही तन लाइ दीरु जस होरी।।

(2) निरगुन कौन देश कौ बासी ?

मधुकर कहि समुझाइ सौंह दे, बूझति सांचि न हाँसि।

को हे जनक, कौन हें जननी, कौन नारि, कौन दासी ?

केसो वरन भेष है कैसो, किंहि रस मैं अभिलाषी ?

पावैगौ पुनि कियौ आपनौ, जो रे करैगौं, गांसी।

सुनत मौन ह्वै रह्यौ बावरी, सूर सबै मति नासी।।

अथवा

जो रघुबीर होत सुधिपाई। करत नहि विलंब रघुराई।।

रामबान रवि उदय जानकी। तुम वरुथ कहँ यातुधान की।।

अबहिं मातु मैं जाऊँ लिवाई। प्रभु आयसु नहिं रामदुहाई।।

कछुक दिवस जननी धरु धीरा। कपिन्ह सहित ऐहैं रघुबीरा।।

निसिचर मारि तोहिं लै जैहैं। तिहुँपुर नारदादि जस जैहैं।

कछु सुत कपि सब तुमहिं समाना। यातुधान भर अति बलवाना।।

(3) मति सुजान अनीति करौ जिन हा हा न हूजियै मोहि अमोही।

दीठि कौ और कहूँ नहिं ठौर फिरी दृग रावरे रूप की दोही।

एक बिसास की टेक गहें लगि आस रहै बस प्रान।

हौ घनआनन्द जीवन मूल दई, किस प्यासनी मारत।।

KK Govt College Durgukondal

Scanned with CamScanner

अथवा

आसा-गुन बाँधि कै भरोसो-सिल धारि छाती।
पूरे पन-सिंधु मैं न बूड़त सकाय हौं।।
दुख-दव हिए जारि अंतर उदेग आँच।
रोम-रोम त्रासनि निरन्तर तचाय हौं।।

Q. 2. कबीर की साहित्यगत् विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **12**

अथवा

'नागमति के वियोग में लोक संस्कृति की झलक मिलती है।' इस कथन के आलोक में जायसी की काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

Q. 3. 'सूरदास ने भ्रमरगीत के माध्यम से ज्ञान पर भक्ति की विजय दिलाई है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए। **12**

अथवा

घनानंद के काव्य का मूल 'प्रेम' है। इस कथन को सविस्तार समझाइए ?

Q. 4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए : **5×3**

(1) भक्तिकाल की धार्मिक परिस्थितियाँ

(2) अष्टछाप कवियों का परिचय

(3) रीतिमुक्त काव्य धारा

(4) विद्यापति की सौंदर्य चेतना

(5) रहीम की प्रासंगिकता

(6) रसखान का कृष्ण-प्रेम

Q. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं पंद्रह प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए (उत्तर पूरे वाक्य में लिखिए) : **1×15**

(1) 'बीजक' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(2) संत रैदास भक्तिकाल में किस धारा के कवि थे ?

(3) 'तुलसी' की भक्तिभावना किस प्रकार की थी ?

(4) 'वात्सल्य के चितेरे' कौन से कवि कहलाते हैं ?

(5) 'जायसी' के जन्म कहाँ हुआ ?

KK Govt College Durgukondal

Scanned with CamScanner

(6) 'मसनबी-शैली' से क्या तात्पर्य है ?

(7) 'पुष्टि मार्ग' का जहाज किसे कहा जाता है ?

(8) हिन्दी साहित्य का 'स्वर्णयुग' किसे माना जाता है ?

(9) 'जानकी मंगल' की रचना किस कवि ने की है ? लिखिए।

(10) 'रामचरित मानस' की भाषा कौन सी है ?

(11) घनानंद किस मुगल शासक के मीर-मुंशी थे ?

(12) हिन्दी साहित्य में 'मैथिल कोकिल' से किस कवि को जाना जाता है ?

(13) 'कीर्तिपताका' की रचना किस कवि ने की थी ? लिखिए।

(14) रहीम के पिता का नाम बताइए ?

(15) खानखाना की उपाधि किस कवि को कौन से मुगल बादशाह ने प्रदान की थी ?

(16) 'रसखान' के गुरू कौन थे ?

(17) प्रेमवाटिका के रचनाकार कौन थे, यह किस छन्द में लिखी गई है ?

KK Govt College Durgukondal

Scanned with CamScanner